SSC GD 2025

अवसर बैच

हिंदी

सर्वनाम

LIVE 29-07-2024 06:15 PM

सर्वनाम → विकारी (02)

सर्व + नाम (सबका नाम)
सबका + नाम

परिभाषा :→ संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्द सर्वनाम होते हैं।

उदा :→ सावन मास में शिव का पूजन किया जाता है और शिव भगवान इस माह में सबसे ज्यादा प्रसन्न होते हैं। इसलिए शिव भगवान की पूजा की जाती है।

उनकी

विशेष :- वाक्य को सुन्दर बनाने के लिए संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।

② संज्ञा की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।

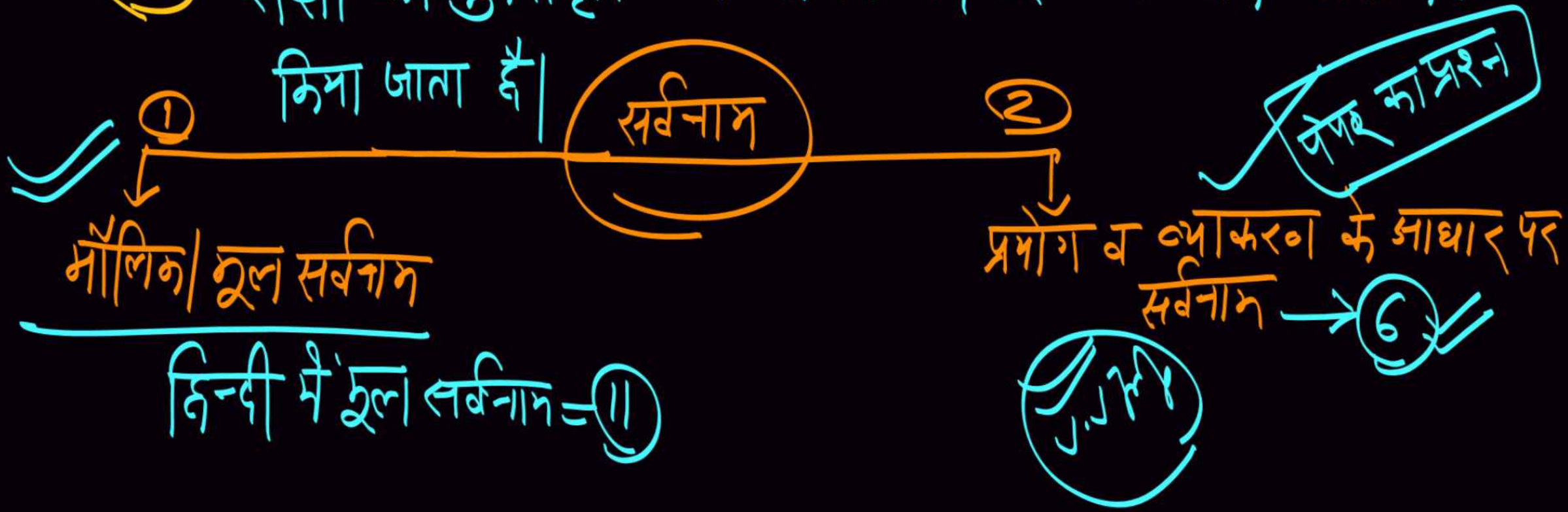

* हिन्दी में सर्वनाम के भेद :→ 6

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम → मैं, तू — 2

(2) निश्चयवाचक सर्वनाम → यह, वह — 2

(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम → कोई, कुछ — 2

(4) प्रश्नवाचक सर्वनाम → कौन, क्या — 2

(5) संबंधवाचक सर्वनाम → जो, सो — 2

(6) निजवाचक सर्वनाम → (स्वयं, अपने-आप, खुद) — 1

हिन्दी में मूल सर्वनाम — 11

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम :→ यह सर्वनाम तीनों पुरुषों का बोध कराता है।

→ पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं

(प्रथम पु॰) → उत्तम पु॰ (वक्ता) → मैं, हम, हमारे, मुझे, मुझको

(द्वितीय पु॰) → मध्यम पु॰ (श्रोता) तू, तुम (आप)

(तृतीय पु॰) → अन्य पु॰ (जिसके बारे में वक्ता और श्रोता बात कर रहे हों)

वे, वह, ये, यह (इन्होंने, उन्होंने)

* ① मैं अपनी जिम्मेदारी समझता हूँ। (उत्तम पु०)

*(२) तुम कम बात किया करो। (मध्यम पु०)

*(३) वह अच्छा इंसान है। (अन्य पु०)

* उन्होंने मुझे कल एक कविता सुनाई (अन्य पु०)

* आप अपना काम कीजिए (मध्यम पु०)

* यह पढ़ने में कमजोर है। (अन्य पुरुष)

* वह दीपावली पर आएगा। (अन्य पु०)